ment should tell us exactly on what legal and constitutional grounds the President is delaying—I am putting mildly—the assent to this measure and why the Prime Minister is not advising the President that in the interests of proper Centre-State relations that assent should be given. If there is anything wrong, later on it could be tackled in a court of law.

SHRI S. D. PATIL: I strongly repudiate the suggestion or insinuation made by my old friend, Mr. Bhupesh Gupta, that assent was withheld on political grounds because it is an Opposition party which is in power in Maharashtra....

SHRI LAKSHMANA MAHAPATRO: The Janata Government is not able to do anything anywhere.

SHRI S. D. PATIL: It is not withheld on political grounds or for political reasons. 'Assent' means subject to the satisfaction of the Government. 'Assent' does not mean anything which is in the air, which is in vacum. . .

(Interruptions)

SHRI BHUPESH GUPTA: That is where politics comes in.

SHRI S. D. PATIL: No, no

Discontinuance of the weekly programme 'Phool Khile Hain Gulshan Gulshan'

*363. SHRI SHRIKANT VERMA:† SHRI SHYAM LAL YADAV:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a weekly programme of the Bombay Doordarshan called "Phool Khile Hain Gulshan Gulshan" has been discontinued; and

(b) if so, what are reasons therefor?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Shrikant Verma.

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI LAL K. ADVANI): (a) to (b) No, Sir. The frequency of the programme "Phool Khile Hain Gulshan Gulshan" has, however, been reduced from once in a week to once in a fortnight with effect rom November, 1977. This was in pursuance of the present policy to reduce the commercial film content of Doordarshan programmes to the extent possible and provide in its place other interesting programmes with a view to improving the tastes of the viewers.

श्री श्रीकान्त वर्मा : सभापति महोदय, पिछले एक साल से सूचना और प्रसारण मंत्रालय में ऐसी घटनायें घट रही हैं कि बावजूद इसके कि मेरे मन में सूचना मंत्री महोदय की ईमानदारी और योग्यता के लिये आदर है, इन घटनाओं से उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी नहीं। इस प्रोग्राम को बम्बई की एक प्रसिद्ध स्टार बेबी तबस्सुम कनडक्ट किया करती थीं। लेकिन उनका अपराध यह था कि वह मुसलमान थी। इसलिये यहां से सूचना मंत्रालय के एक बड़े अफसर का फोन वहा गया कि इस प्रोग्राम को कुछ दिनों के लिये स्थगित कर दिया जाय। उसके बाद सैंकड़ों फोन बेबी तबस्सुम के घर पहुंचे तो उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में कुछ मालूम नहीं है। उन्होंने टी० वी० सेन्टर पर फोन किया तो उन्होंने कहा कि इस बारे में हमें कुछ मालूम नही है। इस प्रकार से बेबी तबस्सुम को हटाने के लिये इन्होंने यह तरकीब निकाला क्योंकि वह एक मुसलमान थी

(Interruptions)

वाला साहब देवरस की फौज मंत्रालय चला रही हैं। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ....

(Interruptions)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : जो आदमी हाउस के अन्दर मौजूद नहीं है, उन पर क्यों आक्षेप किया जा रहा है ?

श्री श्रीकान्त वर्मा : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब बेबी तबस्सुम इतनी लोकप्रिय थी तो उनको इस कार्यक्रम से जो कि इतना लोकप्रिय था, क्यों हटाया गया और बेबी तबस्सुम को प्रोग्राम करने से क्यों रोका गया ?

SHRI LAL K. ADVANI: Sir, I deem it extremely unfortunate that in a matter of this kind an angle should be brought in which it is totally irrelevant and, in a way, malicious. I repudiate the insinuation that has just been made. I think the hon. Member would appreciate that throughout these one and half years or fourteen months that we have been here, communalism has found no place anywhere in the country... (*Interruptions*) Please listen. In this particular case, I have already explained that the programme PHOOL KHILE HAIN GULSHAN GULSHAN has not been discontinued. It has been reduced from once a week to once a fortnight with a view to see that the programme quality improves and it is not merely commercial films on which the T.V. programmes are based.

So far as Tabassum is concerned, I would like to make it clear that this was a decision taken at the Bombay level . . . (*Interruption*) and the moment Delhi came to know about it, we told them that 'the new comperes that you have brought in are not upto the mark as Tabassum was'. Therefore, because of Delhi's advice, Tabassum has been brought back once again. The situation is quite contrary to what has been suggested by the hon. Member. The House and the hon. Member should know that already she has been asked to start compering. She has agreed and she is going to do it from this month. It is unfortunate that the decision taken with the best of intentions there has resulted in this. They wanted to try new and new talents. She has been compering for the last five years and the established practice... (*Interruption*) and the established procedure all over the world in all broadcasting organisations is that a compere or an artiste who has continued for a long period is changed so that there are variations. On this basis they started bringing in new comperes. So far as we are concerned, the moment we saw the quality of the programmes of other comperes, we suggested: Tabassum was better. Why not bring her back? And she is brought back.

श्री श्रीकान्त वर्मा : मुझे अफसोस है कि मंत्री महोदय ने इस प्रश्न से बचने की कोशिश की है । वास्तविकता ऐसी नहीं है । यहां से जब फोन गया तब बेबी तबस्सुम को हटाया गया उसके बाद ब्लिट्ज़ और अन्य समाचारपत्रों में छपा, फिल्म स्टार्ज़ ने प्रोटेस्ट किया और उसके बाद यह सम्भव है कहा गया हो लेकिन पिछली बार मैंने प्रोग्राम देखा उसमें किसी और को कम्पीयर करने के लिए लगाया गया था । यह साम्प्रदायिकता का मामला है और मुसलमानों को हर जगह से . . .

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: What is your supplementary?

SHRI SHRIKANT VERMA: The House is excited. This is very important. What sort of Government is this? I want to know...

MR. CHAIRMAN: What is your supplementary?

SHRI SHRIKANT VERMA: I want to know

मैं जानना चाहता हूं बाम्बे दूरदर्शन में एक परिक्रमा कार्यक्रम होता था जिसे हिन्दी के प्रतिष्ठित लेखक और सारिका के सम्पादक श्री कमलेश्वर कम्पीयर करते थे । इधर बहुत से लोगों के दबाव से, सरकार के दबाव से और टाइम्स आफ इंडिया . .

(*Interruptions*)

DR. BHAI MAHAVIR: Does it arise from the question?

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Silence please.

SHRI SITARAM KESRI: You ask them to be silent.

MR. CHAIRMAN: When I say 'silence', I do not refer to any particular individual. All are Elders here. My request is this: Be calm, put your supplementaries, get the replies and if they are not satisfactory, then I will direct them to give better replies.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: But is it a question, Sir?

(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: That I will decide.

श्री श्रीकान्त वर्मा : कमलेश्वर को 'परिक्रमा' कार्यक्रम से हटाने की सरकारी कोशिशें हुईं । इधर श्री कमलेश्वर को 'टाइम्स आफ इंडिया' से हटाने की योजना हुई और उधर उनको 'परिक्रमा' कार्यक्रम से भी हटाने की हुई । इससे यह साफ मतलब निकलता है कि सरकार और प्राईवेट इन्टरप्राईजेज दोनों किसी को हटाने के लिए मिले हुए हैं । मैं यह जानना चाहता हूं कि 'परिक्रमा' कार्यक्रम जो वहां का सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम था तो श्री कमलेश्वर को क्यों हटाया गया यह क्यों कहा गया कि आप हर बार यह प्रोग्राम एक ही कम्पेयर से करते हैं ? यह तर्क बिल्कुल गलत है कि हमें नये चेहरे लाने हैं । यह कोई नये चेहरे लाने वाली बात नहीं है अगर यह हर जगह लागू है तो फिर सारे प्रोग्रामों में लागू होनी चाहिए ।

MR. CHAIRMAN: Mr. Advani, have you replied? Have you clarified the whole thing?

SHRI LAL K. ADVANI: What is the question, Sir?

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: It is a question about new faces.

MR. CHAIRMAN: Then it is a different subject altogether.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : हमको आपत्ति नहीं है पर कमलेश्वर का कार्यक्रम 'परिक्रमा' चल रहा है । मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि सवाल क्या है ? मैं समझता हूं कि इस प्रश्न का इस कार्यक्रम से संबंध नहीं है । कमलेश्वर का 'परिक्रमा' कार्यक्रम आज भी होता है ।

श्री श्याम लाल यादव : मंत्री जी ने अभी जो बात कही कि ऐसी नीति नहीं है कि कार्यक्रम को आल इंडिया रेडियो से, टी०वी० से या समाचार से हटाया जाये । मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सही नहीं है कि सूचना मंत्रालय धीरे-धीरे आल इंडिया रेडियो से और टी० वी० से ऐसे कार्यक्रम को हटाने की कोशिश कर रहा है जिसमें कि अल्पसंख्यक खासकर मुसलमान काम करते थे... पांच सौ मुसलमानों को सूचना मंत्रालय ने हटा दिया है...

MR. CHAIRMAN: That is your opinion.

श्री श्याम लाल यादव : दूसरे कमीशन के कार्यक्रमों की ब्राडकास्टिंग टी० वी० पर की जाती है और इस प्रकार के कार्यक्रमों को लिया जाता है ताकि विरोधी दलों के प्रभाव को नष्ट किया जा सके । इसलिये ये कार्यक्रम जानबूझकर हटाये गये तथा और कमीशनों के कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया । क्या यह सही नहीं है ? क्या ऐसे हटाये गये कार्यक्रमों की सूचना, एक फेहरिस्त बनाकर, सूचना मंत्री जी सदन के पटल पर रखेंगे ?

MR. CHAIRMAN: It is a matter of your opinion. It is your opinion. You may hold your own opinion. The Minister has said that it was stopped for some time and it is continued now.

SHRI SHYAM LAL YADAV: Then, Sir, why 500 have been removed?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मैं अपने तथ्य रखता हूं कि यहां से यह निर्देश दिया गया कि टी० वी० के कार्यक्रम जो कुल मिलाकर

फिल्मों पर आधारित हैं, टी० वी० के अपने नहीं हैं जिसमें किसी फिल्मी स्टार या पर्सनिलिटी के साथ इन्टरव्यू लिया जाता है उसमें कुछ कमी की जानी चाहिए । उसके आधार पर दो में से एक सप्ताह में एक की बजाय, एक पखवारे में एक कार्यक्रम होने लगे । किस कम्पेयर को रखा जाय और किसको नहीं रखा जाये इसकी कोई हिदायत नहीं है । उन्होंने निर्णय किया कि हम और कम्पेयर को ट्राई करते हैं और उन्होंने ट्राई करना शुरू किया हमने देखा तो हमें लगा कि तबस्सुम सबसे अच्छी कम्पेयर थी इसलिए यहां से उनको कहा गया कि तबस्सुम को लाईये । इसलिए यह जो आरोप लगाया जा रहा है कि निर्णय साम्प्रदायिक आधार पर लिये जाते हैं मैं इसको बे-बुनियाद निराधार और जानबूझकर शरारतपूर्ण मानता हूं ।

MR. CHAIRMAN: Yes, Dr. Bhai Mahavir.

श्री रामानन्द यादव : श्रीमन् मेरा प्वाइंट आफ आर्डर...

MR. CHAIRMAN: No point of order.

श्री रामानन्द यादव : प्वाइंट आफ आर्डर...

MR. CHAIRMAN: No point of order.

(Interruptions)

श्री रामानन्द यादव : प्वाइंट आफ आर्डर

MR. CHAIRMAN: No point of order, please. There is no point of order during Question Hour.

(Interruptions)

डा० भाई महावीर : मैं जानना चाहता हूं कि...

श्री रामानन्द यादव : प्वाइंट आफ आर्डर...

MR. CHAIRMAN: No point of order. No, no.

(Interruptions)

श्री रामानन्द यादव : प्वाइंट आफ आर्डर...

MR. CHAIRMAN: Just a minute, Mr. Yadav. Will you please resume your seat? If you want to put any supplementary, I will allow you. But there is no point of order during Question Hour and that has been decided. You may get clarifications. That is all.

SHRI ANANT PRASAD SHARMA: He is objecting to a particular word.

डा० भाई महावीर : मंत्री जी ने...

MR. CHAIRMAN: That is all right. Yes, Dr. Mahavir, you put your supplementary. He has not been allowed now. You put your question.

DR. BHAI MAHAVIR: How can I put my question. How can I put a order before I put my question. How can I put a question now?

(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: You put your supplementary. He has not been allowed to raise any point of order.

SHRI RAMANAND YADAV: Sir, on a point of order.

MR. CHAIRMAN: Again the same thing? No point of order. Yes, Dr. Mahavir, you put your supplementary.

डा० भाई महावीर : मेरा प्रश्न यह है श्रीमन्, कि जब मंत्री जी ने यह कहा कि हमने टेलेन्ट की खोज के प्रयास में कई परिवर्तन करने की बात सोची थी, तो क्या नए टेलेन्ट के खोज के ही प्रयास में परिक्रमा प्रोग्राम के वास्ते भी किसी नए व्यक्ति की खोज करने की कोशिश की गई या नहीं; और यदि नहीं, तो क्या इस कारण से श्री कमलेश्वर के पीछे

इस तरह का राजनैतिक प्रश्रय रहा है, पोलिटिकल पैट्रोनेज है, जिस की वजह से ही वे इमरजेन्सी के अंदर लगातार इमरजेन्सी को सपोर्ट करते रहे, फिर भी आज वे वैसे के वैसे अपने स्थान पर बम्बई दूरदर्शन के कार्यक्रमों में कायम हैं ? अगर ऐसे है तो क्या सरकार यह नहीं समझती कि जो व्यक्ति इमरजेन्सी के अंदर ग़लत तरीके से व्यवहार करता रहा...

MR. CHAIRMAN: Put your supplementary.

डा० भाई महावीर : उनके कार्य के ऊपर फिर से पुनर्विचार करे और जरूरत हो तो उनको हटाया जाये ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मैंने पहले भी कहा कि यह प्रश्न जो है वह सीमित है, फूल खिले हैं गुलशन गुलशन कार्यक्रम से । लेकिन इस संदर्भ में मैं यह ज़रूर कहना चाहूंगा कि नए टेलेन्ट की खोज सब क्षेत्रों में होनी चाहिए और इसका मतलब है कि जितने भी कार्यक्रम हैं उनमें होना चाहिए ? मैं इस से सहमत हूं ।

डा० भाई महावीर : नहीं, मेरा मतलब है इमरजेन्सी के समय जिनका गलत रोल था....

श्री मनुभाई मोतीलाल पटेल : क्या सरकार के ध्यान में यह आया है कि फूल खिले हैं गुलशन गुलशन की आर्टिस्ट तबस्सुम, जिन के बारे में आपने एक राय दी उन्होंने अपने निजी स्वार्थ के लिए राजनैतिक लोगों से सम्पर्क साधा, कई एम०पीज़ को मिलीं और उनके जरिए प्रेशर डाल कर, इस बात को साम्प्रदायिक स्वरूप दे रही हैं, तो इस बारे मे क्या आप कुछ क़दम उठाएंगे, और यदि सही पाया जाए कि राजनैतिक संपर्क स्थापित करके गवर्नमेंट को प्रेशराइज़ करने की कोशिश की है, तो क्या सर्विस रूल्स के ख़िलाफ यह है या नही, और अगर ऐसा है तो सरकार क्या कदम उठाएगी ?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : सरकार का कोई भी निर्णय प्रेशर के अंतर्गत नही होता है ।

SHRI KHURSHED ALAM KHAN: The hon. Minister said that they wanted to reduce the frequency of this programme 'Phool Khile Hain Gulshan Gulshan'. May I know from the hon. Minister whether he has checked up about the popularity of this special programme? And if this programme was so popular, then naturally there can be a suspicion that the idea was something else rather than reduce the frequency of this programme. Besides this, I would like to know, how many other artistes in the same capacity were removed, and whether it was not possible for the TV station to keep another new artiste as an understudy with her. Also, is it a fact that the news-readers have to be changed on similar lines and similar basis?

SHRI SHRIKANT VERMA: What about Salma Sultan?

SHRI LAL K. ADVANI: As explained first, it is the responsibility of 'Doordarshan' there to see that good taste develops, and for that purpose reliance on film programmes purely on the basis of popularity would not be a right approach. Perhaps if we were to show feature films daily or three times in a week, they would be very popular. But, then, I think the TV would not be contributing rightly to the development and inculcation of good taste.

SHRI KHURSHED ALAM KHAN: What about news-readers?

MR. CHAIRMAN: He has replied to that. Mr. Dutt.

DR. V. P. DUTT: Unfortunately, one of the hon. Members' question has given the impression that all those in the All-India Radio or Doordarshan who supported the emergency should be sacked. I would like to ask the hon. Minister, since there has been

widespread suspicion—whether it is right or wrong is a separate matter—that a very popular compere was removed and later on the programme itself was sought to be reduced, and since, for instance, I was told about an announcer, Salma Sultan, a newsreader, also having been changed from that position to some other minor programme—I do not know whether it is a fact or not—whether in the light of the various suspicions that have been expressed the Directorate has prepared policy with regard to the employment of minorities and Scheduled Castes in the programming as well as entire postings and transfers.

MR. CHAIRMAN: This is purely regarding discontinuance of the programme. You are entering into service matters.

DR. V. P. DUTT: The question of discontinuance of the programme which was compered by Baby Tabassum arose because there was a suspicion that since she belonged to a certain community, this was done. The hon. Minister said that this was not the correct thing. I have been saying that there are many other such instances. Has the hon. Minister's Directorate prepared any policy with regard to the programming by members of the minorities and the Scheduled Castes and their appointments?

SHRI LAL K. ADVANI: Sir, so far as suspicions are concerned, I don't think they can be removed except by stating facts. I have already stated that the hard facts show that there is no ground whatsoever for any suspicion. So far as the broader issue that has been raised by the hon. Member is concerned, I am sure he will appreciate that in the choice of an artiste or a musician or a performer, the community or the caste of an artiste is not the factor to be taken into consideration.

श्री बुद्ध प्रिय मौर्य : आदरणीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी जिस भावना से शरारत शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं उस पर न जाकर मैं जानना चाहता हूं कि क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि जब से उन के कर कमलों में यह आल इंडिया रेडियो और टेलीविजन का महकमा आया है कितने लोगों की वहां से छुट्टी की गयी है और कितने लोगों को वहां लगाया गया है? अगर इस का ब्यौरा उनके पास इस समय नहीं है तो क्या वह एश्योरेंस देंगे कि इस के डिटेल बाद मे सदन में रख दिये जायेंगे ।

MR. CHAIRMAN: There is nothing to reply.

श्री सीताराम केसरी : माननीय मंत्री जी ने यह कहा कि बेबी तबस्सुम को उन्होंने पुनः बहाल कर दिया है । मैं जानना चाहूंगा कि जब यह क्वेश्चन आप के पास गया और जब ब्लिट्ज वगैरह में समाचार छपा उस के बाद आप ने यह किया या पहले किया ।

MR. CHAIRMAN: He requires notice.

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: I want to know at what time she was removed and at what time she was called back.

SHRI LAL K. ADVANI: The moment my attention was drawn or rather the Ministry's attention was drawn . . .

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: He can give the dates as to when she was removed. When were the instructions given?

(*Interruptions*)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : उन को रिमूव करने का सवाल इस लिये नहीं पैदा होता कि यह आर्टिस्ट हैं । यह लोग इंप्लाइज नहीं हैं । उन को कमीशन किया जाता है । उनको कार्यक्रम दिया जाता है ।

श्री सीताराम केसरी : मैंने तो निवेदन किया था, आप के उत्तर से सप्लीमेंटरी पूछा था कि आप ने बेबी तबस्सुम को कब बहाल

किया । इस प्रश्न के आप के पास आने के बाद और ब्लिट्ज में समाचार छपने के बाद या पहले ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मैं यह समझाने की कोशिश कर रहा हूं कि इसमें किसी को हटाने या बहाल करने का प्रश्न नहीं पैदा होता क्योंकि यह कार्यक्रम इंप्लाइज के कार्यक्रम नहीं हैं । आर्टिस्ट किसी न किसी काम के लिये या प्रोग्राम के लिये कमीशन किये जाते हैं । पहले उन की अवधि कम कर दी गयी थी । बाद में यहां जब मिनिस्ट्री के ध्यान में जब आया कि वहां कुछ परिवर्तन हुआ है तो उन को कहा गया कि उस को ठीक करो ।

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: Let him reply to my question. When was she removed and when was she asked to come back? Is it only after the question was raised in the House?

MR. CHAIRMAN: There is no question of removal because there is no regular service.

हथकरघा उद्योग द्वारा कठिनाइयों का सामना किया जाना

*364. **श्री नागेश्वर प्रसाद शाही** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में बिजली के करघों की संख्या मे वृद्धि के कारण हथकरघा उद्योग का कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है; और

(ख) यदि हां, तो स्थिति सुधारने के लिए सरकार क्या उपचारी उपाय कर रही है ?

†[**Difficulties faced by handloom industry**

*364. SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the handloom industry in the country is facing difficulties due to increase in number of powerlooms; and

(b) if so, what remedial steps Government are taking to improve the situation?]

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडीस) : (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) हथकरघा क्षेत्र द्वारा अनुभव की जा रही कठिनाइयों का एक कारण अधिकृत और अनधिकृत दोनों ही क्षेत्रों मे विद्युत करघों की संख्या में निरन्तर हो रही वृद्धि रहा है ।

(ख) सरकार के 23 दिसम्बर, 1977 के औद्योगिक नीति संबंधी विवरण मे इस बात की स्पष्ट रूप से व्यवस्था की गई है कि सरकार संगठित मिल और विद्युत करघा क्षेत्र की बुनाई क्षमता मे किसी भी विस्तार के लिये अनुमति नही देगी और यह कि लोगों की कपड़े की आवश्यकताओं की पूर्ति हथकरघा और खादी क्षेत्रों का निरन्तर विकास करके की जा सकती है । हथकरघा क्षेत्र को सुदृढ़ तथा और अधिक प्रति स्पर्धात्मक बनाने के लिए अनेक अभ्युपाय किए जा रहे है । हथकरघा बुनकरों की सहकारिताओं का गठन और उनका विकास करने, 25 गहन और 21 निर्यात विकास परियोजनाएं स्थापित करने, करघे से पहले तथा करघे के बाद की सुविधाओं की व्यवस्था करने, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार करने और उत्पादन तथा विपणन प्रबंधों की योजनाएं शुरू की गई है । उत्पादन शुल्क का ढांचा तैयार करते समय हथकरघा क्षेत्र के साथ-साथ मिल और विद्युतकरघा क्षेत्रों को पर्याप्त सुरक्षा देने का प्रयास किया गया है । कुछ वस्तुओं को केवल हथकरघा क्षेत्र के लिए ही

†[ ] English translation.